

Udyog Patrika

2284. **Shri Surya Prasad:** Will the Minister of Commerce be pleased to state:

(a) whether Government propose to stop the Hindi publication of "Udyog Patrika" in the near future; and

(b) if so, the reasons therefor?

The Minister of Commerce (Shri Manubhai Shah): (a) Yes, Sir. With effect from 1st September, 1965, it has been discontinued.

(b) The Committee of Secretaries reviewed, from the point of view of economy and financial viability, the various journals, periodicals and other publications, and decided that, among other things, the Hindi journal "Udyog Vyapar Patrika" should be discontinued for the duration of the Emergency.

Iron Ore Deposits in Kerala

2285. **Shri Vasudevan Nair:**
Shri Warrior:
Shri A. V. Raghavan:

Will the Minister of Steel and Mines be pleased to state:

(a) whether substantial deposits of iron ore located in Calicut and Kozhikode districts of Kerala State;

(b) if so, the estimated quantity of these deposits; and

(c) the result of the survey regarding other minerals in Kerala State?

The Minister of Steel and Mines (Shri Sanjiva Reddy): (a) and (b). A number of occurrences of iron ore with a total estimated reserve of 17 million tonnes were located by the Geological Survey of India in 1956-57. These occurrences are not considered substantial.

(c) As a result of survey carried out by the Geological Survey of India workable deposits of clays, ilmenite and glass sands have been located. A small deposit of limestone has also been recorded.

**Heavy Engineering Corporation,
Ranchi**

2286. **Shri P. K. Ghosh:**
Shri Buta Singh:

Will the Minister of Industry and Supply be pleased to state:

(a) whether he met the representatives of the Surplus Civil Engineers of the Heavy Engineering Corporation, Ranchi as promised by him on the floor of the House in reply to a call attention notice dated the 12th November, 1965; and

(b) if so, what were their main grievances and what steps Government have taken to remove them?

The Minister of Heavy Engineering in the Ministry of Industry and Supply (Shri T. N. Singh): (a) Yes, Sir.

(b) The representation was in regard to their absorption. Government have all along been as considerate as possible and have circulated the names of surplus engineers to concerned authorities in the Public Sector who may need their services.

**लालगढ़ रेलवे वर्कशाप (बीकानेर डिवीजन)
के पास अस्पताल का निर्माण**

2287. श्री प० ला० बाबूपाल :

श्री धुलेश्वर मोना :

श्री वागड़ी :

श्री हुकम चन्द कश्यप :

श्री रतन नाल :

श्री यादू राम :

श्री यशपाल मिश्र :

श्री विश्राम प्रसाद :

क्या रेलवे मंत्रालय यहाँ बनाने का सुझाव करेगा कि

(क) क्या यह सच है कि लालगढ़ रेलवे के बीकानेर डिवीजन में लालगढ़ रेलवे वर्कशाप के पास बनने वाले अस्पताल में मायवान की बहुत घटिया विरम की लकड़ी प्रयोग में लाई गई है;

(ख) यदि हां, तो इसके स्थान पर बढ़िया किस्म की लकड़ी के लिये भुगतान करने के क्या कारण हैं; और

(ग) क्या यह ठेकेदारों और इंजीनियरों की सांठगांठ से किया गया है और क्या सरकार का विचार इसका जांच करने के लिये कोई समिति नियुक्त करने का है ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) ठेकेदार को जो भुगतान किया गया है उसका सम्बन्ध सागौन की लकड़ी से है जिसका उपयोग, रेलवे विनिष्ठियों के अनुसार, निर्माण-कार्यों में किया गया है। खिड़कियों के पल्लों में लगायी गयी लगभग 2000 बर्ग फुट सागौन की लकड़ी निर्धारित स्तर से घटिया किस्म की पायी गयी है। ठेकेदार से इसे बदलने के लिए कहा गया है।

(ख) और (ग). सवाल नहीं उठता लालगढ़

रेलवे वर्कशाप (बीकानेर डिब्बीजन) के पास अस्पताल का निर्माण

2288. श्री प० ला० बारूपाल :
 श्री लालेश्वर मीना :
 श्री बागड़ी :
 श्री हुकम चन्व कछवाय :
 श्री रतन लाल :
 श्री साधू राम :
 श्री यशपाल सिंह :
 श्री विश्वाम प्रसाद :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उत्तर रेलवे के बीकानेर डिब्बीजन में बनाये जाने वाले अस्पताल में प्रथम श्रेणी की ईंटों का प्रयोग न किये जाने के बावजूद ठेकेदारों को प्रथम श्रेणी की ईंटों का ही भुगतान किया गया है;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं; और

(ग) क्या सरकार का विचार इस मामले में कोई जांच समिति नियुक्त करने का है ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) और (ख). निर्माण कार्य में इस्तेमाल की गयी 87.5 प्रतिशत ईंटों की कीमत का भुगतान ठेकेदार को पहले दर्जे की ईंटों के भाव से किया गया है। स्थानाय रूप से उपलब्ध सबसे बढ़िया किस्म की ईंटें निर्माण-कार्यों में लगायी गयी हैं। लेकिन, चूकि ईंटें उत्तर रेलवे की पहले दर्जे की विनिष्ठि के अनुसार नहीं हैं, इसलिए इनकी दर में समुचित कमी करने का विचार किया जा रहा है।

(ग) केन्द्राय जांच ब्यूरो इस मामले को पहले से जांच कर रहा है। ब्यूरो ने तकनीकी पहलू से सम्बन्धित रिपोर्ट मांगी है जो तैयार होने पर उसे भेज दी जायेगी।

Overbridge at Kesinga Level Crossing

2289. Shri P. K. Deo: Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) the reason for the delay in the construction of an overbridge at Kesinga level crossing on the South Eastern Railway in spite of the repeated assurance given by Government in this behalf; and

(b) when the construction work is likely to be started?

The Deputy Minister in the Ministry of Railways (Shri Shyam Nath): (a) The site for the proposed road overbridge has not yet been finalized by the State Government.

(b) It is too early to indicate at this stage.